JETIR.ORG ISSN: 2349-5162 | ESTD Year : 2014 | Monthly Issue
JOURNAL OF EMERGING TECHNOLOGIES AND INNOVATIVE RESEARCH (JETIR)
An International Scholarly Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन

निर्देशक
डॉ. जय प्रकाश तिवारी
प्रोफेसर
यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी
जयपुर (राज.)

शोधार्थी
पूनम शर्मा
यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी
जयपुर (राज.)

सारांश–

जिस प्रकार व्यक्तियों में मानसिक और स्नायुविक रोग होने लेगे हैं उससे विद्यार्थी वर्ग भी अछूता नहीं रहा है। आज विद्यार्थी भी पढ़ाई का दबाव महसूस कर रहे हैं। विद्यार्थियों में भी आगे बढ़ने की होड़ मची है तथा माता–पिता की अपने बालकों से अपेक्षाएँ एवं अभिलाषा बढ़ती जा रही है। जिससे बालक मानसिक रूप से कमजोर होते जा रहे हैं तथा मानसिक स्वास्थ्य कमजोर होने के कारण वे घर, परिवार एवं विद्यालय में समायोजित नहीं हो पाते जिसका प्रभाव उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर भी पड़ता है। प्रस्तुत शोध कार्य का उद्देश्य माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन करना है। प्रस्तुत शोध कार्य में माध्यमिक स्तर के 600 विद्यार्थियों को यादृच्छिक विधि से चयन किया गया। दत्तों के विश्लेषण हेतु शून्य परिकल्पनाओं का निर्माण कर सहसम्बन्ध गुणांक सांख्यिकी का प्रयोग किया गया है। शोध के निष्कर्ष में पाया कि माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर ऋणात्मक किन्तु नगण्य प्रभाव पाया गया। शहरी क्षेत्र के माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर धनात्मक किन्तु नगण्य प्रभाव पाया गया। ग्रामीण क्षेत्र के माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर ऋणात्मक किन्तु नगण्य प्रभाव पाया गया।

मुख्य शब्द– माध्यमिक स्तर, मानसिक स्वास्थ्य, शैक्षिक उपलब्धि

प्रस्तावना–

किसी भी व्यक्ति के लिए शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य दोनों ही बहुत जरूरी हैं। अगर कोई व्यक्ति शारीरिक रूप से स्वस्थ है लेकिन उसका मानसिक स्वास्थ्य खराब है तो उसे अपने जीवन में कई प्रकार की दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा। मानसिक स्वास्थ्य से एक व्यक्ति को अपनी क्षमताओं का पता चलता है, उसके भीतर आत्मविश्वास आता कि वे जीवन में तनाव से सामना कर सकता है और अपने काम या कार्यों से अपने समुदाय के विकास में योगदान दे सकता है। मानसिक विकार व्यक्ति के स्वास्थ्य सम्बन्धी व्यवहार, फैसले, नियमित व्यायाम, पर्याप्त नींद, आदि को प्रभावित करता है और शारीरिक रोगों के खतरे को बढ़ाता है। मानसिक अस्वस्थता के कारण ही व्यक्ति को बेरोजगार, बिखरे हुए परिवार, गरीबी, नशीले पदार्थों का सेवन और सम्बन्धित अपराध का सहभागी बनना पड़ता है। अगर किसी व्यक्ति का मानसिक स्वास्थ्य सही रहेगा तो उसका जीवन भी सही रहेगा।

अधिकांश विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि, मानसिक स्वास्थ्य से प्रभावित होती है।

समस्या का औचित्य–

जिस प्रकार व्यक्तियों में मानसिक और स्नायुविक रोग होने लेगे हैं उससे विद्यार्थी वर्ग भी अछूता नहीं रहा है। आज विद्यार्थी भी पढ़ाई का दबाव महसूस कर रहे हैं। विद्यार्थियों में भी आगे बढ़ने की होड़ मची है तथा माता–पिता की अपने बालकों से अपेक्षाएँ एवं अभिलाषा बढ़ती जा रही है। जिससे बालक मानसिक रूप से कमजोर होते जा रहे हैं तथा मानसिक

स्वास्थ्य कमजोर होने के कारण वे घर, परिवार एवं विद्यालय में समायोजित नहीं हो पाते जिसका प्रभाव उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर भी पड़ता है।

अतः शोधकर्त्री ने अपने शोध का विषय "माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन" चुना है। जिसका अध्ययन करना वर्तमान समय में आवश्यक है। प्रस्तुत शोध कार्य नीति–निमार्ताओं, शिक्षाविदों, अभिभावकों, शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं भावी अनुसंधानकर्ताओं के लिए उपयोगी होने के कारण इस विषय पर अध्ययन करना औचित्यपूर्ण है।

समस्या कथन–

"माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन"

शोध के उद्देश्य–

1. माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन करना।
2. शहरी क्षेत्र के माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन करना।
3. ग्रामीण क्षेत्र के माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन करना।

शोध की परिकल्पनाएँ–

1. माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता।
2. शहरी क्षेत्र के माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता।
3. ग्रामीण क्षेत्र के माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता।

शोध विधि–

प्रस्तुत शोध कार्य पूर्ण करने के लिए **वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि** का प्रयोग किया गया है।

शोध के चर– प्रस्तुत शोध में मुख्य चर जो लिए गये हैं, ये निम्नलिखित है–

स्वतंत्र चर– मानसिक स्वास्थ्य

आश्रित चर– शैक्षिक उपलब्धि

जनसंख्या एवं न्यादर्श–

प्रस्तुत अध्ययन की जनसंख्या राजस्थान राज्य के दौसा जिले के कक्षा 10 के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के सरकारी एवं निजी विद्यालयों के विद्यार्थी हैं। इस जनसंख्या में से 600 विद्यार्थियों का चयन न्यादर्श के रूप में किया गया है। जो निम्न प्रकार है–

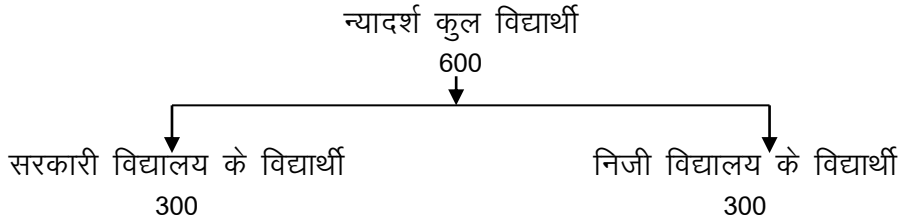

शोध के उपकरण–

1. **मानसिक स्वास्थ्य मापनी–** डॉ. अरुण कुमार सिंह एवं डॉ. अल्पना सेन गुप्ता द्वारा निर्मित **"मानसिक स्वास्थ्य मापनी"** का प्रयोग किया गया है।

2. **शैक्षिक उपलब्धि–** शैक्षिक उपलब्धि हेतु विद्यार्थियों के विगत कक्षा के **वार्षिक प्राप्तांकों** को लिया गया है।

सांख्यिकी–

प्रस्तुत शोध में सहसम्बन्ध सांख्यिकी विधि का प्रयोग किया गया है।

आँकड़ों का विश्लेषण एवं व्याख्या–

परिकल्पना–1 माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता।

तालिका संख्या–1

समूह	संख्या	सह–सम्बन्ध गुणांक	सह–सम्बन्ध का स्तर
माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव	600	–0.01	नगण्य ऋणात्मक सह–सम्बन्ध

तालिका संख्या–1 के अवलोकन करने से ज्ञात होता है कि माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का सहसम्बन्ध गुणांक का मान –0.01 प्राप्त हुआ है जो कि ऋणात्मक नगण्य सह–सम्बन्ध है। अतः यह कहा जा सकता है कि माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर ऋणात्मक किन्तु नगण्य प्रभाव पड़ता है।

परिकल्पना–2 शहरी क्षेत्र के माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता।

तालिका संख्या–2

समूह	संख्या	सह–सम्बन्ध गुणांक	सह–सम्बन्ध का स्तर
शहरी क्षेत्र के माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव	300	0.01	नगण्य धनात्मक सह–सम्बन्ध

तालिका संख्या–2 के अवलोकन करने से ज्ञात होता है कि शहरी क्षेत्र के माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का सहसम्बन्ध गुणांक का मान 0.01 प्राप्त हुआ है जो कि धनात्मक नगण्य सह–सम्बन्ध है। अतः यह कहा जा सकता है कि शहरी क्षेत्र के माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर धनात्मक किन्तु नगण्य प्रभाव पड़ता है।

परिकल्पना–3 ग्रामीण क्षेत्र के माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता।

तालिका संख्या–3

समूह	संख्या	सह–सम्बन्ध गुणांक	सह–सम्बन्ध का स्तर
ग्रामीण क्षेत्र के माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव	300	–0.06	नगण्य ऋणात्मक सह–सम्बन्ध

तालिका संख्या–3 के अवलोकन करने से ज्ञात होता है कि ग्रामीण क्षेत्र के माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का सहसम्बन्ध गुणांक का मान –0.06 प्राप्त हुआ है जो कि ऋणात्मक नगण्य सह–सम्बन्ध है। अतः यह कहा जा सकता है कि ग्रामीण क्षेत्र के माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर ऋणात्मक किन्तु नगण्य प्रभाव पड़ता है।

शोध से प्राप्त निष्कर्ष–

1. माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर ऋणात्मक किन्तु नगण्य प्रभाव पाया गया।
2. शहरी क्षेत्र के माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर धनात्मक किन्तु नगण्य प्रभाव पाया गया।
3. ग्रामीण क्षेत्र के माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर ऋणात्मक किन्तु नगण्य प्रभाव पाया गया।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

- भटनागर, ए.बी. एवं भटनागर, मीनाक्षी (2004) : शिक्षण अधिगम का मनोविज्ञान, आर. लाल बुक डिपो, मेरठ।
- माथुर, एस. एस. (2008) : "शिक्षा मनोविज्ञान", आगरा, अग्रवाल पब्लिकेशन।
- सरीन एवं सरीन (2006) : "शैक्षिक अनुसंधान विधियाँ", आगरा, विनोद पुस्तक मंदिर।
- रायजादा बी. एस. एवं वर्मा वन्दाना (2008) : "शिक्षा में अनुसंधान के आवश्यक तत्व", जयपुर, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी।
- www.IRJMSH.com
- www.ijsrst.com
- www.ijrar.org